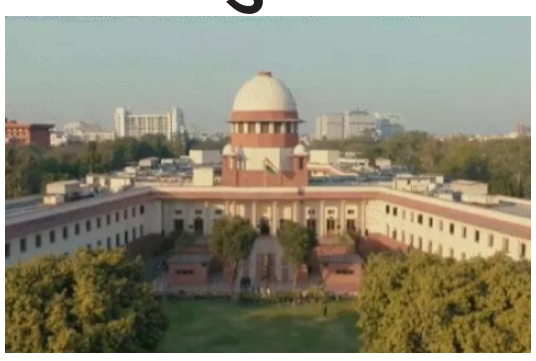
ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 17 अप्रैल 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 27

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट की रोक नहीं, पर फिलहाल नियुक्तियों और संपत्ति की स्थिति में बदलाव नहीं



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ संशोधन कानून 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दूसरे दिन महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। अदालत ने फिलहाल कानून पर रोक लगाने से इनकार करते हुए केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। साथ ही कोर्ट ने यह सुनिश्चित किया कि इस दौरान वक्फ बोर्ड या केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी और वक्फ संपत्तियों की यथास्थिति बनी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट का फोकस –संतुलन, अनुशासन और स्पष्टता

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, "जब मामला अदालत के समक्ष लंबित हो, तो यह अनिवार्य है कि वर्तमान स्थिति में कोई व्यवधान न आए। हम कार्यपालिका को उसकी भूमिका से नहीं रोकते, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया के दौरान संतुलन जरूरी है।"

अदालत की प्रमुख शर्तें

कोई नई नियुक्ति नहीं: केंद्र ने अदालत को आश्वस्त किया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय तक वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी।

संपत्ति की स्थिति बरकरार: अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक सुनवाई जारी है, तब तक वक्फ संपत्तियों की प्रकृति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। **डी-नोटिफिकेशन पर अस्थायी विराम:** कोर्ट ने यह भी कहा कि वक्फ घोषित संपत्तियों को अभी डी-नोटिफाई नहीं किया जा सकता।

सरकार को राहत, पर सावधानी के साथ

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार की ओर से कहा, "यह मामला गंभीर है, जिसमें पिछले कानूनों, संशोधनों और ऐतिहासिक तथ्यों का अध्ययन जरूरी है। पहली नजर में कुछ धाराओं को देखकर पूरे कानून पर रोक लगाना तर्कसंगत नहीं होगा।" उन्होंने अदालत से एक सप्ताह का समय मांगा, जो कोर्ट ने मंजूर कर लिया।

110 याचिकाओं को 5 में समाहित करने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह 110 से अधिक याचिकाओं की बजाय केवल 5 प्रमुख याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार करेगी। सभी याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे नोडल वकीलों की सहायता से 5 प्रमुख आपत्तियों को तय करें और बाकी बिंदुओं को इन्हीं में समाहित करें।

सुनवाई के दौरान उठा धर्म और निष्पक्षता का मुद्दा

पहले दिन की सुनवाई में उस वक्त गर्माहट आ गई जब सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि बेंच के तीनों जज हिंदू हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने सख्ती से जवाब देते हुए कहा, "हमारी व्यक्तिगत धार्मिक पहचान न्याय देने में कोई भूमिका नहीं निभाती। कानून के समक्ष सभी पक्ष समान हैं।"

क्या है वक्फ संशोधन कानून में विवादित बिंदु?

केवल मुस्लिम ही वक्फ बना सकते हैं: वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा, "राज्य कैसे तय कर सकता है कि कौन मुसलमान है और कौन नहीं?"

300 साल पुरानी संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन: अदालत ने पूछा कि 13वीं–14वीं सदी की मस्जिदों और संपत्तियों के पास रजिस्ट्रेशन या डीड नहीं होगी, तो उन्हें कैसे मान्यता दी जाएगी?

बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्य: संशोधन के तहत वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिम सदस्य रखने की अनुमति दी गई है, जिसे याचिकाकर्ताओं ने धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर हमला बताया। अब केंद्र सरकार को 7 दिन के भीतर जवाब दाखिल करना है, जिसके बाद याचिकाकर्ता 5 दिन में अपना प्रत्युत्तर देंगे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह सुनवाई अंतिम नहीं है, बल्कि कानून की संवैधानिक समीक्षा की शुरुआत है।

जनवरी-मार्च तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 12% कम हुआ:7,033 करोड़ रहा, रेवेन्यू 8% बढ़कर 40,925 करोड़ हुआ; 22 प्रति शेयर डिविडेंट देगी कंपनी



24 न्यूज अपडेट

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी IT सर्विस ब्रांड इंफोसिस को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 7,033 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 11.75 % की कमी आई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 7,969 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था।

जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी ने 40,925 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर इसमें 7.92% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी Q4 FY23-24 में टेक कंपनी ने 37,923 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू होता है।

22 रुपए प्रति शेयर डिविडेंट देगी इंफोसिस

नतीजों के साथ इंफोसिस ने प्रति शेयर 22 रुपए लाभांश यानी डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरधारकों के देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

तमिलनाडु के मंत्री का महिलाओं-हिंदू तिलक पर अश्लील कमेंट:मद्रास हाईकोर्ट बोला- लगता नहीं जुबान फिसली थी



मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के वन मंत्री के पोनमुडी से शैव, वैष्णव और सामान्य रूप से महिलाओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से अश्लील कमेंट करने पर सवाल किया। कोर्ट ने यह जानना चाहा कि तमिलनाडु पुलिस ने उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की है।

हाईकोर्ट पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 2023 में ली गई रिव्यू पिटीशन की सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान जज ने महाधिवक्ता पीएस रमन को बुलाया और पोनमुडी की अश्लील और निंदनीय टिप्पणी पर नाराजगी जताई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का हवाला देते हुए जज ने कहा कि ऐसा लगता है कि मंत्री ने पूरे होश-ओ-हवाश में ये बातें कही थीं। ऐसा नहीं लगता कि उनकी जुबान फिसली थी जो उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगकर पूरे मामले को दरकिनार कर दिया।

मद्रास हाईकोर्ट ने पुलिस को चेतावनी दी है कि या तो तमिलनाडु के मंत्री पोनमुडी के खिलाफ FIR दर्ज करें या अवमानना का सामना करें। मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।

बंगाल के 25 हजार शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत:कोर्ट ने कहा- जिनका नाम स्कैम में नहीं, नई प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ा सकेंगे



पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (SSC) को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और SSC को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। अगर तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कोर्ट उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा।

हालांकि, ग्रुप C और ग्रुप D के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को राहत नहीं मिल है। कोर्ट ने कहा- इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने 2016 की भर्ती के 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था।

इधर, सुप्रीम कोर्ट से टीचरों को राहत दिए जाने के बाद सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बर्खास्त शिक्षकों का कार्यकाल बढ़ाने के आदेश से वह खुश हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि वे चिंता न करें, समस्या का समाधान हो जाएगा।

बंगाल के 25 हजार शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत:कोर्ट ने कहा- जिनका नाम स्कैम में नहीं, नई प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ा सकेंगे



पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (SSC) को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और SSC को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। अगर तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कोर्ट उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा।

हालांकि, ग्रुप C और ग्रुप D के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को राहत नहीं मिल है। कोर्ट ने कहा- इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने 2016 की भर्ती के 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था।

इधर, सुप्रीम कोर्ट से टीचरों को राहत दिए जाने के बाद सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बर्खास्त शिक्षकों का कार्यकाल बढ़ाने के आदेश से वह खुश हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि वे चिंता न करें, समस्या का समाधान हो जाएगा।

अजमेर दरगाह विवाद हाईकोर्ट पहुंचा, अंजुमन कमेटी ने सुनवाई पर रोक की मांग की



जयपुर। अजमेर दरगाह में मंदिर होने के दावे का मामला अब राजस्थान हाईकोर्ट पहुंच गया है। दरगाह खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान ने याचिका दायर कर अजमेर सिविल कोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की। बुधवार को जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की अदालत में इस पर सुनवाई हुई। अंजुमन कमेटी की ओर से अधिवक्ता आशीष सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 से जुड़े मामलों में सुनवाई पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद अजमेर सिविल कोर्ट याचिका स्वीकार कर सुनवाई कर रही है, जो अवैध है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से एएसजी आरडी रस्तोगी ने कहा कि अंजुमन कमेटी इस वाद में पक्षकार नहीं है, इसलिए वह याचिका दायर करने की पात्र नहीं। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद तय की है। बता दें, हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने 2024 में याचिका दायर कर दरगाह परिसर में शिव मंदिर होने का दावा किया था। इस पर 19 अप्रैल को अजमेर सिविल कोर्ट में अगली सुनवाई होनी है।

नड्डा की जगह कौन, शाह के घर हुई अहम बैठक:एक हफ्ते में हो सकता है फैसला; भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए 8 दावेदार



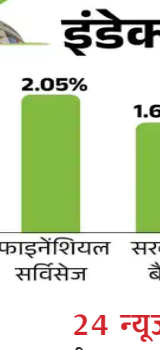
भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक एक हफ्ते के भीतर पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा हो सकती है।

बैठक में कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के अध्यक्षों के नामों पर चर्चा हुई है। अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा हो सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल के बाद कभी भी शुरू हो सकती है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में होना था, लेकिन अप्रैल आधा बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है। जेपी नड्डा जनवरी, 2020 से राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। पार्टी संविधान के मुताबिक उनका कार्यकाल जनवरी, 2023 में खत्म हो गया, लेकिन लोकसभा चुनाव समेत कई बड़े चुनावों के मद्देनजर उनका कार्यकाल आगे बढ़ा दिया गया।

नया रिकॉर्ड, सोना पहली बार 95 हजार पर पहुंचा:मंदी की आशंका और शादी सीजन से बढ़ी मांग, अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर का भी असर

इस साल अब तक 18,748 रुपए महंगा हुआ सोना



₹76,162 (31 दिसंबर 2024) → ₹94,910 (17 अप्रैल 2025)

कीमत रुपए प्रति 10 ग्राम में | सोर्स: IBJA

24 न्यूज अपडेट

सोने के दाम ने आज यानी 17 अप्रैल को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 331 बढ़कर 94,910 पर बंद हुआ। हालांकि सोना आज 95,207 पर ओपन हुआ था। इससे पहले बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 94,579 थी। वहीं चांदी की कीमत में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत आज 1,424 गिरकर 95,151 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,575 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स में 1509 अंक चढ़कर 78,553 पर बंद:निफ्टी 414 अंक ऊपर 23,852 पर पहुंचा, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में सबसे ज्यादा खरीदारी

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार, 17 अप्रैल को गिरावट के बाद बड़ी तेजी रही। सेंसेक्स 1509 अंक (1.96%) चढ़कर 78,553 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 414 अंक (1.77%) की तेजी रही, ये 23,852 के स्तर पर बंद हुआ।

सुबह सेंसेक्स में करीब 350 अंकों की गिरावट थी। यानी, निचले स्तर से सेंसेक्स करीब 1900 अंक संभला। वहीं, निफ्टी करीब 140 अंक नीचे था। ये निचले स्तर से करीब 550 अंक संभला।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी रही। जोमैटो 4.37%, ICICI बैंक 3.68%, एयरटेल 3.63%, सनफार्मा 3.50% और SBI 3.28% ऊपर बंद हुए। मारुति और टेक महिंद्रा में मामूली गिरावट रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में तेजी रही। NSE का निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 2.23%, फाइनेंशियल सर्विसेज 2.05%, सरकारी बैंक 1.64%, ऑयल एंड गैस 1.23% और ऑटो में 1.03% की तेजी रही।



संपादकीय : हिंसा पर राजनीति

पश्चिम बंगाल में दंगों पर खुल कर सियासत शुरू हो गई है। वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में मुर्शिदाबाद में हुआ प्रदर्शन हिंसक हो उठा, उसमें तीन लोग मारे गए, कई दुकानों में तोड़-फोड़ की गई, कई जला दी गई। उसे लेकर बंगाल राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वहां हिंसा करने वाले बाहर से लाए गए थे। उसके जवाब में भाजपा ने कथित खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया कि दंगा फैलाने वाले बांग्लादेश से आए थे उसके वीडियो भी जारी किए गए। फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं ने दंगाइयों और ममता बनर्जी के खिलाफ तल्ख बयानबाजी शुरू कर दी । मगर ममता बनर्जी का कहना है कि भाजपा उत्तर प्रदेश और दूसरी जगहों के वीडियो प्रसारित कर राज्य में अशांति फैलाना चाहती है। इस तरह की सियासी बयानबाजियों के शोर में यह हकीकत परदे की ओट में खिसकती जा रही है कि आखिर दंगा किन लोगों ने भड़काया था । उन लोगों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई की कोशिश धीमी पड़ती नजर आने लगी है। हालांकि राज्य सरकार और पुलिस का दावा है कि वह जल्दी दोषियों की पहचान कर उचित कार्रवाई करेगी। पिछले कुछ वर्षों से पश्चिम बंगाल में राजनीतिक संघर्ष और इस तरह सांप्रदायिक आधार पर हिंसक झड़पों का सिलसिला कुछ बढ़ गया है। चिंता की बात यह है कि ऐसे प्रयास पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में अधिक देखने को मिल रहे हैं। ज्यादा दिन नहीं बीते, जब संदेशखाली में भी लंबे समय तक सांप्रदायिक तनाव बना रहा। कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के आदमी उन्हें उठा कर ले जाते थे और उनका यौन शोषण किया जाता था । मगर बाद में वह आरोप गलत साबित हुआ। चुनावों के वक्त तो वहां खूनी संघर्ष हमेशा बढ़ जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव के समय अदालत के निर्देश पर निर्वाचन आयोग को अतिरिक्त सुरक्षा के इंतजाम करने पड़े थे अब फिर विधानसभा के चुनाव नजदीक आ रहे हैं, ऐसे में कई लोगों का यह कहना गलत नहीं ठहराया जा सकता कि उसी के मद्देनजर रणनीति बनाई जा रही है। मगर सवाल है कि किसी भी राज्य में इस तरह अगर कुछ उपद्रवी कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हैं, तो सरकार कैसे अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ सकती है। मुर्शिदाबाद और आसपास के इलाकों में जो लोग मारे गए, घायल हुए, जिन लोगों की दुकानें जला दी गई, जिनके रोजी-रोजगार के जरिया प्रभावित हुए हैं, उनके प्रति आखिरकार किसकी जवाबदेही बनती हैं। सांप्रदायिक तनाव किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र और जिम्मेदार सरकार की निशानी नहीं माना जा सकता। जिस तरह वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर पूरे देश में विरोध का वातावरण था और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में इसका विरोध उग्र होने की संभावना अधिक थी, उसमें सरकार से अपेक्षा की जाती थी कि अतिरिक्त सजगता बरते। मगर ऐसा नहीं हुआ, और अब उसे सिवासी रंग देकर मामले को भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। यह ठीक है कि विपक्षी पार्टियों को सरकार की नाकामियों पर अंगुली उठाने का अधिकार है, मगर उससे भी सांप्रदायिक मामलों में संयम बरतने और सांविधानिक मूल्यों के पालन की अपेक्षा की जाती है। अगर सियासी फायदे के लिए ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिससे सांप्रदायिक उन्माद की स्थिति बनती है, तो उसे भी जायज नहीं ठहराया जा सकता।

लापता बच्चे

भारत में बाल तस्करी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण गरीबी है। भुखमरी, अशिक्षा और बेरोजगारी की वजह से गरीब परिवारों के बच्चे सर्वाधिक असुरक्षित हैं आजीविका का साधन न होने के कारण लोग अपने बच्चों को किसी न किसी काम में लगा देते हैं। बाल तस्करों की नजर अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं पर ही नहीं, ऐसे बच्चों पर भी होती है जो दावों होटलों और ईंट-भट्टों पर काम कर रहे होते हैं। इन्हें अगवा कर बेच दिया जाता है। कई बच्चे भीख मंगवाने वाले गिरोह के चंगुल में फंस जाते हैं बच्चियां यौन शोषण का शिकार होती हैं। आदिवासी इलाकों से बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता हो जाते हैं। थानों में उनकी सुनवाई नहीं होती । एक अस्पताल से नवजात शिशु के गायब होने और उसे बेचे जाने के मामले में शीर्ष न्यायालय ने उचित ही कड़ा रुख दिखाया है। इसमें दोराय नहीं कि बाल तस्कर समाज के दुश्मन हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता वाजिब है। अगर अस्पतालों से शिशु गायब होते हैं, तो उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनके लाइसेंस रद्द होने चाहिए । यह छिपी बात नहीं कि भारत में बच्चों को किस तरह अगवा कर उनका बचपन छीना जा रहा है। उन्हें बालश्रम और यौन कर्म में तो झोका ही जाता है, अंग तस्करी का शिकार बना कर उनकी जान को जोखिम में डाल दिया जाता है। यह मानवीय गरिमा के खिलाफ है। ताजुब्ब है कि इस तरह की गतिविधियां पुलिस तंत्र की नाक तले वर्षों से चल रही हैं। एक तरफ तो बच्चों के गायब होने की रपट आसानी से लिखी नहीं जाती, दूसरी तरफ बहुत कम बच्चे तस्करों के चंगुल से छूट कर घर लौटते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओड़ीशा और मध्यप्रदेश में बाल तस्करी के मामले अधिक दर्ज होते हैं। यहां ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। हालांकि अभिभावकों के जागरूक होने से मामले दर्ज होने लगे हैं। वहीं देश भर की अदालतों में बाल तस्करी के कई मामले लंबित हैं। शीर्ष अदालत के ऐसे मामलों की जानकारी देने और जल्द सुनवाई पूरी करने के निर्देश से बाल तस्करी के मामलों पर लगाम लगने की उम्मीद बनी है।

जनसुनवाई : 113 प्रकरण आए, 3 सुलझे, बाकी पर होगी कार्रवाई



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राज्य प्रशासन अब पूरी तरह सतर्क मोड में आ गया है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित डीओआईटी वीसी कक्ष में आयोजित मासिक जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जिला सतर्कता समिति की बैठक के दौरान इस विषय पर गहन चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने की, जबकि जिला कलेक्टर नमित मेहता भी इस दौरान उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बैठक से जुड़ते हुए प्रदेशभर के संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को आगामी दो से ढाई महीनों के लिए हीट वेव के संभावित असर के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। "बिजली और पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर कोई कोताही न हो, अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें और फील्ड में सक्रिय रहकर आमजन को त्वरित राहत सुनिश्चित करें," मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जनसुनवाई और संपर्क पोर्टल पर प्राप्त हर जन परिवेदना का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्य सचिव ने संभागीय आयुक्त केवलरमानी से उदयपुर जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों की जानकारी भी ली।

जनसुनवाई में सामने आए 113 मामले

सहायक निदेशक लोक सेवाएं हितेश कुमार सोनी ने बताया कि इस बार की जनसुनवाई में बिजली, पेयजल, अतिक्रमण, सड़क निर्माण, पेंशन और पुलिस संबंधित कुल 113 प्रकरण दर्ज हुए। इनमें से 3 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। इस अवसर पर जनसुनवाई में एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़, जिला परिषद सीईओ रिया डाबी, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, गिर्वा उपखंड अधिकारी सोनिका कुमारी

बलीचा को नगर निगम में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध तेज, ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पर जताया विरोध



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। नगर निगम परिसीमन को लेकर शहर से सटे गांवों में विरोध की लहर फैलती जा रही है। गुरुवार को ग्राम पंचायत बलीचा के सैकड़ों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नगर निगम में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध किया और पंचायत को यथावत बनाए रखने की मांग की। ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि नगर निगम में शामिल करने से पहले न ग्रामसभा की अनुमति ली गई, न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से राय मशविरा किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि बलीचा राजस्व ग्राम वर्तमान में टीएसपी (अनुसूचित क्षेत्र) श्रेणी में आता है, जिससे यहां के कई युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभ पाते रहे हैं। यदि यह क्षेत्र नगर निगम में शामिल हो गया तो टीएसपी का दर्जा समाप्त होने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा, जिससे समाज के वंचित तबके पर सीधा असर पड़ेगा। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि निगम क्षेत्र में आने से घरों और दुकानों पर अतिरिक्त टैक्स का भार पड़ेगा, जिससे गरीब, किसान, मजदूर, एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों को आर्थिक व मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, निगम प्रणाली लागू होने से स्थानीय प्रशासनिक कार्यों के लिए 15 किलोमीटर दूर शहर आना पड़ेगा, जिससे समय, श्रम और संसाधनों की अनावश्यक बर्बादी होगी। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि नगर निगम की सीमाएं संस्कृति, रहन-सहन और गांव की सामाजिक संरचना से मेल नहीं खातीं। निगम प्रणाली लागू होने से 'इंस्पेक्टर राज' जैसी व्यवस्था ग्रामीण जीवन को प्रभावित करेगी और परंपरागत पंचायत स्वायत्तता को खतरा उत्पन्न होगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग, किसान और युवा शामिल हुए, जिन्होंने एक स्वर में मांग की कि ग्राम पंचायत बलीचा को नगर निगम से अलग रखा जाए और उसकी वर्तमान पंचायत स्थिति को बरकरार रखा जाए।

पुलिस की तत्परता से 25 किमी दूर दबोचे चेन स्नेचर, बुजुर्ग महिला से लूटी थी, दोनों आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, डूंगरपुर। शहर की सिंधी कॉलोनी में बुधवार रात हुई लूट की वारदात में डूंगरपुर पुलिस की तेज कार्रवाई और तत्परता ने अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। बुजुर्ग महिला से घर में घुसकर की गई सोने की चेन लूट की घटना के महज कुछ घंटों के भीतर ही पुलिस ने 25 किलोमीटर दूर दोनों बदमाशों को धरदबोचा। पुलिस की सजगता और सक्रिय नेटवर्किंग एक बार फिर लोगों की सुरक्षा में उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण बनी। घर में घुसकर बुजुर्ग को गिराया, गले से खींच ले गए चेन बुधवार रात 80 वर्षीय कंकूबाई वसीटा अपने दांतों का इलाज कराकर घर लौटी थीं। तभी उनका पीछा कर रहे बदमाशों में से एक मौका पाकर घर में घुस गया। बुजुर्ग को धक्का देकर नीचे गिराया और उनके गले में पहनी ढाई तोले सोने की चेन झपटकर भाग गया। शोर सुनकर पोता सुनील बाहर आया तो बदमाश को भागते देखा, जो कुछ दूरी पर खड़े अपने साथी के साथ स्कूटी पर सवार होकर फरार हो गया।

पुलिस की फुर्ती ने उलझा दी बदमाशों की चाल

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस सक्रिय हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों से हुलिए की जानकारी जुटाई और तुरंत पूरे जिले में नाकेबंदी कराई। यह निर्णय ही मामले में निर्णायक साबित हुआ। पुलिस की मुस्तैदी का ही नतीजा रहा कि करीब 25 किलोमीटर दूर बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के बीजुड़ा गांव के पास जब स्कूटी सवार युवकों ने नाकेबंदी देख रास्ता बदलने की कोशिश की, तो वहां तैनात पुलिस टीम ने उनका पीछा कर मौके पर ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

गहना बरामद, पूछताछ जारी

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम भी बिछीवाड़ा पहुंची और गिरफ्तार बदमाशों को अपने साथ लाकर पूछताछ शुरू की। उनसे लूटी हुई चेन भी बरामद कर ली गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि कहीं और भी उन्होंने इस तरह की घटनाएं तो नहीं की हैं।

जनता ने सराहा पुलिस का त्वरित एक्शन

इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की मुस्तैदी और तत्परता की जमकर सराहना की है। जिस गति से पुलिस ने घटना के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू की और चंद घंटों में सफलता हासिल की, उसने आमजन में सुरक्षा को लेकर विश्वास मजबूत किया है।

हमेरपुरा गांववासियों ने पंचायत पुनर्गठन का किया विरोध



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। जिला मुख्यालय पर आज राजस्व ग्राम हमेरपुरा के सैकड़ों ग्रामीणों ने पंचायत पुनर्गठन के प्रस्ताव के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट उदयपुर को एक ज्ञापन सौंपते हुए नवसृजित ग्राम पंचायत नीमड़ी में गांव को शामिल किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे वापस लेने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि हमेरपुरा गांव वर्तमान में ग्राम पंचायत भोपाखेड़ा के अधीन आता है, और वहीं से उनकी रोजमर्रा की प्रशासनिक, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक गतिविधियां जुड़ी हुई हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ग्राम पंचायत कार्यालय, उपस्वास्थ्य केंद्र, पटवार मंडल, पशु चिकित्सालय और उचित मूल्य की दुकान जैसी जरूरी सुविधाएं भोपाखेड़ा में ही मौजूद हैं, जिससे उन्हें काफी सुविधा रहती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि नीमड़ी पंचायत तक पहुँचने के लिए हमेरपुरा के ग्रामीणों को दूसरी पंचायत की सीमाओं से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे न सिर्फ असुविधा होती है, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में भी बाधा आती है। ग्रामीणों ने इसे "हास्यास्पद और अव्यवहारिक प्रस्ताव" बताया। एक और महत्वपूर्ण बिंदु यह उठाया गया कि हमेरपुरा अनुसूचित जनजाति क्षेत्र (में आता है, जहां पेसा एक्ट तथा विशेष जनजातीय प्रावधान लागू होते हैं। वहीं, नवगठित ग्राम पंचायत नीमड़ी में ये कानूनी प्रावधान लागू नहीं हैं। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच कानूनी असमानता पैदा होगी और भविष्य में प्रशासनिक तथा विधिक विवादों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई और हमेरपुरा को जबरन नीमड़ी पंचायत में शामिल किया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। उन्होंने आग्रह किया कि हमेरपुरा को उसकी मूल ग्राम पंचायत भोपाखेड़ा में ही बनाए रखा जाए और किसी भी परिस्थिति में नवसृजित नीमड़ी पंचायत में शामिल न किया जाए।

आग ने मासूमों को निगला, मां-बाप की आंखों के सामने दो जिंदगियां राख



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। शांत रात अचानक चीखों और लपटों में तब्दील हो गई, जब छतरी गांव में एक कच्चे घर में आग लगने से दो मासूमों की जलकर मौत हो गई। चार बच्चों में से केवल दो को बचाया जा सकाकृबाकी दो बच्चे, भाई-बहन, लपटों के बीच कोयले में तब्दील हो गए। यह हादसा किसी दुःस्वप्न से कम नहीं थाकृन केवल उनके माता-पिता के लिए, बल्कि पूरे इलाके के लिए।

मां-बाप की गोद से छूट गई जिंदगी

बुधवार रात करीब 8 बजे, प्रभुलाल गमेती के घर अचानक आग भड़क उठी। चार बच्चों के साथ उनका पूरा परिवार घर में मौजूद था। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा घर धधक उठा। पिता प्रभुलाल और मां पुष्पा जान जोखिम में डालकर अंदर भागे और दो बच्चों 10 साल का सुमित और 9 साल की सकीना को किसी तरह बचा लाए। लेकिन जीनल (14) और सिद्धार्थ (8) को आग से बाहर निकालने से पहले ही वे जलकर राख हो गए। मां-बाप की चीखें गांव की रात चीर गईं आग की लपटों से झुलसे माता-पिता की चीखें पूरे मोहल्ले में गूंज उठीं। आसपास के लोग दौड़े आए, मगर तब तक देर हो चुकी थी। गांव वालों की मदद से किसी तरह आग बुझाई गई, लेकिन भाई-बहन की जली हुई लाशें देख हर आंख नम हो गई। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों को लेकर संशय बना हुआ है। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट या किसी ज्वलनशील पदार्थ से लगी हो सकती है। वहीं, मृतक की भाभी गीता बाई ने बताया कि घर की छत पर तिरपाल और छोपड़ी थी। पास में ही बिजली का एक पोल था, जिससे तार टूटकर छत पर गिर गया और आग लग गई।

गांव में मातम, प्रशासन के सवाल

दो बच्चों की दर्दनाक मौत और दो अन्य के बुरी तरह झुलसने की खबर ने पूरे इलाके में मातम फैला दिया है। शवों को खेरवाड़ा हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखा गया है और पोस्टमार्टम की तैयारी चल रही है। दूसरी ओर, यह सवाल उठता है कि अगर बिजली की सुरक्षा व्यवस्था समय पर होती, तो क्या ये जानें बचाई जा सकती थीं? प्रभुलाल की छोटी-सी चाय की दुकान और उनका कच्चा घर अब राख का ढेर है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा कुछ और जल चुका है, एक मां की ममता, एक पिता की उम्मीद और एक गांव की मासूमियत।

मंदिर में दर्शन करने आए बच्चे को टाइगर ने बनाया शिकार



24 न्यूज अपडेट

रणथंभौर में, त्रिनेत्र गणेश मंदिर के पास एक बाघ ने 7 वर्षीय लड़के, कार्तिक सुमन को मार डाला। कार्तिक अपनी दादी के साथ मंदिर के दर्शन कर लौट रहा था, तभी एक बाघ ने हमला किया और उसे जंगल में खींच ले गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाघ ने लड़के की गर्दन को काफी देर तक पकड़े रखा। वन अधिकारियों को सूचित किया गया, उन्होंने मंदिर के रास्ते बंद कर दिए, और बाद में कार्तिक के शव को बरामद किया। यह हमला, जिसके बाघ टी-120 द्वारा किए जाने का संदेह है, से व्यापक दहशत फैल गई। त्रिनेत्र गणेश मंदिर ट्रस्ट ने परिवार को 1.50 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की। इस घटना के बाद, वन विभाग ने पैदल मार्ग पर बाघ की आवाजाही के कारण रणथंभौर किले और त्रिनेत्र गणेश मंदिर में प्रवेश पांच दिनों के लिए बंद कर दिया है।

सिंगोली में जैन संतों पर हमले के विरोध में सकल जैन समाज में रोष, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मध्यप्रदेश के नीमच जिले के ग्राम कछाला में तीन जैन संतों पर हुए हमले की घटना के विरोध में गुरुवार को सकल जैन समाज ने महावीर जैन परिषद के नेतृत्व में उदयपुर कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मध्यप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के नाम भी संबोधित किया गया। महावीर जैन परिषद के मुख्य संयोजक राजकुमार फत्तावत ने बताया कि उक्त घटना 7 अप्रैल को सिंगोली कस्बे से लगभग 7 किलोमीटर दूर ग्राम कछाला स्थित हनुमान मंदिर में घटी, जहां तीन जैन संतकृशैलेश मुनि, बलभद्र मुनि और मुनिन्द्र मुनि (ठाणा 3)कृविहार के दौरान रुके हुए थे। इसी दौरान छह हमलावरों ने लाठी-डंडों से संतों पर हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए। हमलावरों की पहचान चित्तौड़गढ़ के निवासियों के रूप में हुई है। फत्तावत ने कहा कि "जैन संत तप, त्याग और अहिंसा के प्रतीक होते हैं, जो समाज में शांति, करुणा और संयम का संदेश फैलाते हैं। उन पर किया गया यह हमला न केवल एक समुदाय पर हमला है, बल्कि यह देश की सहिष्णुता और आध्यात्मिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है।" ज्ञापन में घटना की उच्च स्तरीय जांच, आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी, कठोर दंड और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंधों की मांग की गई। शहर विधायक ताराचंद जैन, परिषद के कोषाध्यक्ष कुलदीप नाहर, सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़, समन्वयक चंद्रप्रकाश चोरडिया, जीतो अध्यक्ष यशवंत आंचलिया, बीजेएस अध्यक्ष दीपक सिंघवी, कार्यकारी अध्यक्ष भूपेन्द्र गजावत, महामंत्री जितेन्द्र सिसोदिया, महावीर युवा मंच अध्यक्ष अशोक कोठारी, जैन जागृति सेन्टर अध्यक्ष अरुण मेहता, महामंत्री ललित कोठारी, विजयलक्ष्मी गलूंडिया, किरण जैन, आकाश वागरेचा, सहित सैकड़ों समाजजनों की उपस्थिति रही।

लाईट माईक्रो फाईनेन्स कम्पनी शाखा चौहटन में 20 लाख की नकबजनी का मात्र 12 घंटे मे किया खुलासा



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 अप्रैल। बाड़मेर जिले की चौहटन थाना पुलिस ने लाइट माइक्रो फाइनेंस कंपनी में बुधवार रात हुई 20 लाख की नकबजनी की घटना का मात्र 12 घंटे में खुलासा कर कंपनी के शाखा ऑपरेशन मैनेजर दिनेश कुमार जाट पुत्र सोनाराम (21) निवासी उपरला थाना चौहटन और उसके साथी कानाराम जाट पुत्र नैनुराम (23) निवासी चौहटन आगौर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास से 19 लाख 5 हजार 540 रुपए और घटना में प्रयुक्त एक बाइक बरामद की हैं।

एसपी नरेंद्र सिह मीना ने बताया कि घटना की रिपोर्ट फाइनेंस कंपनी के शाखा प्रबंधक सुरेश कुमार गर्ग ने दी। जिसके अनुसार बुधवार रात को लाईट माईक्रो फाईनेन्स कम्पनी की चौहटन शाखा मे घुसकर अज्ञात चोर लॉकर मे रखे कुल 19,99,848 रूपये चोरी कर ले गये है। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

नकबजनी की वारदात की सूचना मिलने पर एसएचओ राजुराम बामणिया मय टीम ने तुरन्त मौके पर पहुंच घटना की जानकारी कर घटना स्थल का जायजा लिया। मौके पर एफएसएल टीम, एमओबी व डॉग स्कवॉड टीम को भेजकर बारीकी से निरीक्षण करा साक्ष्य जुटाए गए।

वारदात की खुलासे के लिए एसपी मीना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस व सीओ जीवनलाल खत्री के सुपरविजन एवं एसएचओ राजुराम बामणिया के नेतृत्व मे गठित टीम को अनुसंधान में बड़ी जानकारी से सामने आया कि उक्त शाखा मे लोन से प्राप्त रकम जिस लॉकर मे रखी जाती है, उसकी एक चाबी शाखा मेनेजर व दूसरी शाखा ऑपरेशन मेनेजर के पास रहती है।

इस पर घटना का बारीकी से अन्वेषण में वहां के कार्मिकों पर शक होने पर मनोवैज्ञानिक तरीके से गहनता से पूछताछ करने पर शाखा ऑपरेशन मेनेजर दिनेश कुमार पर शक गहरा गया। गहनता पूर्वक पूछताछ करने पर उसने एक अन्य प्राइवेट व्यक्ति काना राम के साथ मिलकर उक्त चोरी की वारदात को करना स्वीकार कर लिया।

दिनेश कुमार व कानाराम ने मिलकर उक्त घटना करने के लिए आज से करीबन 2 माह पुर्व योजना बनाते हुए योजनाबद्ध तरीके से उक्त घटना का अंजाम दिया। दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गये उन्नीस लाख, पांच हजार, पांच सौ, चालीस रूपये (19,05,540 रूपये) व घटना मे प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जब्त किया जाकर गहन पूछताछ व अनुसंधान किया जा रहा है।

एसपी मीना ने बताया कि नकबजनी की बडी वारदात का मात्र 12 घंटे मे खुलासा करने मे महत्वपुर्ण सफलता हासिल करने के उपलक्ष में एसएचओ राजुराम सहित टीम के सदस्यों हेड कांस्टेबल, विशनाराम, कांस्टेबल रमेश कुमार, भूराराम व श्रवण कुमार को सम्मानित किया जाएगा।

डूंगरपुर में नकली मेहंदी के 800 पैकेट जब्तःव्यापारी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट में केस दर्ज, धम्बोला थाना पुलिस ने की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

धम्बोला थाना पुलिस ने नकली मेहंदी के 800 पाउच बरामद किए हैं। नकली मेंहदी निशा ब्रांड की मेहंदी के हूबहू दिखाई दे रही थी। पुलिस ने मामले में व्यापारी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धम्बोला थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि 16 अप्रैल को सोमन सिंह सेंगर पुत्री मुंशी सिंह सेंगर निवासी आनेपुर उत्तरप्रदेश हाल नासिक महाराष्ट्र की ओर से रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि उनका व्यापार पूरे देश में फैला हुआ है। जो



कई तरह के प्रोडक्ट तैयार करते हैं। इसमें निशा हिना हेयर कलर भी है। इसके बावजूद जाकिर पुत्र रहीम मेघरजा निवासी सीमलवाड़ा ने अपनी दुकान पर निशा हिना बेस्ड हेयर कलर की हूबहू प्रिंट ओर डिजाइन की मेहंदी बेच रहा है। इससे उनके ब्रांड की मेहंदी को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

शिकायत पर गुरुवार को थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान के साथ पुलिस टीम ने सीमलवाड़ा में एम आर ट्रेडर्स पर छापेमारी कार्रवाई की। पुलिस ने निशा हिना बेस्ड हेयर कलर की हूबहू मेहंदी के पैकेट बरामद किए। मेहंदी के ये पैकेट नकली पाए गए। पुलिस ने मेहंदी पैकेट जब्त करते हुए व्यापारी जाकिर पुत्र रहीम मेघराज के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस इसमें जांच कर रही है।

आईजी इंटेलिजेंस ने 1 वर्ष से अनुपस्थित चल रहे उपनिरीक्षक मनीष कुमार मीना को दिया अंतिम अवसर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 अप्रैल। श्री मनीष कुमार मीना, उप निरीक्षक (निलम्बित) बी.आई. पोस्ट नाचना, सीआईडी (बी. आई.) जैसलमेर हाल मुख्यालय सीआईडी (विशा) जयपुर के विरूद्ध विचाराधीन विभागीय जांच अन्तर्गत नियम 16 सी.सी.ए. में कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने के लिए अंतिम अवसर दिया गया है।

आईजी इंटेलिजेंस डॉ. विष्णु कांत ने अंतिम नोटिस जारी करते हुए बताया कि राज्य विशेष शाखा में पदस्थापित श्री मनीष कुमार मीना, उप निरीक्षक (निलम्बित) बी. आई. पोस्ट नाचना, सीआईडी (बी.आई.) जैसलमेर हाल मुख्यालय सीआईडी (विशा) जयपुर, निवासी-ग्राम व पोस्ट दुलेतो की ढाणी, इन्दावा, तहसील-लालसोट, जिला-दौसा दिनांक 1 अप्रैल, 2024 से डयूटी से स्वैच्छापूर्वक अनुपस्थित चल रहा है।

श्री मनीष कुमार मीना, उप निरीक्षक (निलम्बित) के विरूद्ध विचाराधीन विभागीय जांच अन्तर्गत नियम 16 सीसीए में कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने हेतु पत्र कमांक 297 दिनांक 25 मार्च,2025, 339 दिनांक 04 अप्रैल 2025 अवसर प्रदान किया गया था। लेकिन उक्त उप निरीक्षक द्वारा अपने बचाव में कोई दस्तावेज/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किये गये हैं।

आईजी ने बताया कि आरोपित को कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने के लिये पत्र कमांक 361 दिनांक 15 अप्रैल,2025 के द्वारा 7 दिवस का अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। आरोपित द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में यह मान लिया जायेगा कि आरोपित उप निरीक्षक को लगाये गये आरोप स्वीकार है तथा आरोपित उप निरीक्षक के पास अपने बचाव में प्रस्तुत करने हेतु कोई दस्तावेज/साक्ष्य नहीं है। ऐसी स्थिति में उक्त विभागीय जांच में एकपक्षीय कार्यवाही कर निर्णय किया जायेगा।

राजस्थान न्यायपालिका की रैंकिंग में भारी उछाल, लेकिन कानूनी सहायता देने में पिछड़े



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः इंडिया जस्टिस रिपोर्ट-2025 की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश की न्यायपालिका की रैंकिंग में भारी उछाल आया है. हालांकि, लोगों को कानूनी सहायता देने में लगातार कमजोर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश 18 बड़े राज्यों और मध्यम राज्यों की श्रेणी में एक सीढ़ी नीचे आकर अंतिम पायदान पर पहुंच गया है. वहीं, समग्र रूप से प्रदेश 15 के मुकाबले एक पायदान चढ़कर 14वें नंबर पर आया है.

37 फीसदी जेलों में वीसी नहीं : इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदेश के 37 फीसदी जेलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा नहीं है. जेलों की स्थिति को लेकर प्रदेश पहले की तरह नंबर 8 पर बना हुआ है. हालांकि, प्रदेश ने कैदियों पर होने वाले सालाना खर्च में बढ़ोतरी की है.

साल 2021-22 में जहां प्रति कैदी 17,735 रुपए खर्च होते थे. वहीं, 2022-23 में इसे बढ़ाकर 23,772 किया गया है. गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में बीते कई सालों से जेलों में सुधार को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान याचिका पर सुनवाई हो रही है. हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को करीब चार दर्जन बिंदुओं पर दिशा-निर्देश भी दे रखे हैं.

हाईकोर्ट में खाली पद घटे, अधीनस्थ अदालतों में निस्तारण दर 100 फीसदी के पार : इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में राजस्थान की न्यायपालिका ने 17 पायदान से सीधे 6 नंबर पर पहुंची है. इसका बड़ा कारण हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के पदों की रिक्तियों में कमी और निचली अदालतों में मुकदमा निस्तारण में तेजी है. साल 2022 में जहां हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के 48 फीसदी पद खाली चल रहे थे, वहीं साल 2025 में यह 14 फीसदी कम हुए हैं. अब यहां 34 फीसदी पद खाली हैं. वहीं, केस निपटारे की दर में भी सुधार आया है. जिला अदालतों में साल 2016-17 के बाद पहली बार निस्तारण दर 100 फीसदी को पार कर गई है.

कानूनी सहायता को लेकर हालत गंभीर : राजस्थान में विधिक सेवा को लेकर लंबा-चौड़ा बजट और अफसरों की भारी फौज होने के बावजूद लोगों को कानूनी सहायता नहीं मिल रही है. रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में कानूनी सहायता को लेकर हालात गंभीर है.

साल 2022 में जारी इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में कानूनी सहायता के मामले में प्रदेश 17वें नंबर पर था. वहीं, इस साल जारी रिपोर्ट में यह पिछड़कर सबसे नीचे चला गया है. साल 2019 में एक लाख की आबादी पर 6 पैरालीगल वालंटियर्स थे. बीते सालों में इनकी संख्या में भी गिरावट आई है और अब ये प्रति एक लाख की आबादी पर मात्र 2 से भी कम हो गए हैं.

साइबर ठग को पुलिस से छुड़ाने का प्रयास हुआ नाकाम, आरोपी सहित 4 को पुलिस ने किया दस्तयाब



24 न्यूज अपडेट

अलवरः जिले के मेवात क्षेत्र स्थित गोविंदगढ़ थाना अंतर्गत कैमाला गांव में गुरुवार को साइबर ठगी में लिप्त बदमाश को पकड़ने गई पुलिस को आरोपी के परिवार व आसपास के लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा. हालांकि, गोविंदगढ़ थाना पुलिस भारी पुलिस जाप्ता के साथ मौके पर पहुंची और विरोध के बावजूद आरोपी सहित चार लोगों को दस्तयाब कर थाने लेकर आई, जहां आरोपी से पूछताछ की जा रही है

इस प्रकरण की जानकारी देते हुए एडिशनल एसपी डॉ. तेजपाल सिंह ने बताया कि साइबर ऑफेंस में नेशनल पोर्टल के द्वारा पुलिस को सूचना प्राप्त होती है. इन सूचनाओं को संबंधित थाना अधिकारियों को भेजा जाता है, जिसके चलते थाने की टीम अपराधियों पर शिकंजा कसती है. सूचना में अपराधी की लोकेशन भेजी जाती है. इसके आधार पर ही पुलिस की कार्रवाई अमल में लाई जाती है. उन्होंने बताया कि गुरुवार को गोविंदगढ़ थाना पुलिस को साइबर ठग की सूचना मिली. जिस पर कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस लोकेशन पर पहुंची और आरोपी को दस्तयाब करने की कोशिश की. इस दौरान पुलिस को देख आरोपी के परिजन व आस पड़ोस के लोग कार्रवाई का विरोध करने लगे और आरोपी को छुड़ाने का प्रयास करने लगे. हालांकि गोविंदगढ़ थाना पुलिस पूरे जाब्ते के साथ आरोपी को पकड़ने गई थी, जिसके चलते उनकी चाल सफल नहीं हो पाई और विरोध के बावजूद पुलिस ने आरोपी सहित 4 लोगों को दस्तयाब कर थाना लेकर पहुंची, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है.

एडिशनल एसपी ने बताया कि आरोपी के पास से मोबाइल बरामद हुआ है, जिसे जब्त किया गया. आरोपी पर आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों व एसएचओ से बात की गई है पुलिस व लोगों के बीच मारपीट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है

आरएसी के जवान ने भी किया था कारवाई का विरोध : एडिशनल एसपी डॉ. तेजपाल सिंह ने बताया कि आरोपी को पकड़ने गई पुलिस की कार्रवाई का विरोध स्थानीय निवासी आरएसी के जवान की ओर से भी किया गया. उन्होंने बताया कि यह जवान 12वीं बटालियन दिल्ली में पोस्टेड है. इसकी जांच की जा रही है साथ ही जवान के इस रवैये के बारे में उच्च अधिकारियों को भी बताया जाएगा.

प्रेमी के लिये बहु ने ही चुराये थे सास के जेवर व 2 लाख नकद, 6 महीने के बाद वारदात का किया खुलासा, गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 अप्रैल। बारां जिले की थाना अन्ता पुलिस ने 6 महीने पहले पलायथा इलाके में दिन के समय हुई 30 लख रुपए के जेवर एवं नकदी की चोरी की घटना का अथक प्रयास के बाद खुलासा कर दिया है। प्रेमी के लिए बहू ने ही अपने सास के गहने और घर में रखे 20 लाख नगद चोरी किए थे। पुलिस ने आरोपी बहू वैशाली लक्षकार पत्नी नवीन (25) निवासी पलायथा और उसके प्रेमी शाहरुख खान उर्फ फतरु पुत्र अब्दुल सत्तार (23) निवासी नयापुरा काला कुआं थाना कोतवाली को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि 25 अक्टूबर 2024 को पलायथा निवासी नवीन लक्षकार ने थाना अन्ता पर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि घर के सामने मेरी जनरल स्टोर की दुकान है। मेरी मां किसी काम से कल कोटा चली गई थी। घर पर मेरी पत्नी वैशाली अकेली थी जो बाथरुम में कपडे धो रही थी। इतने में ही अज्ञात चोर अलमारी का ताला तोडकर मेरी मां के 25 तोले सोने के व 500 ग्राम चांदी के गहने तथा 2 लाख रुपये नगद चुराकर ले गये। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर गहनता से अनुसंधान शुरु किया गया। चोरी की घटना का खुलासा करने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के सुपरवीजन व सीओ सोजी लाल मीणा के नेतृत्व में एसएचओ दिग्विजय सिंह की टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया तथा कोटा से एफएसएल टीम, डॉग स्क्वाड, एमओबी टीम व साईबर टीम को बुला आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए। परिवादी द्वारा जिन जिन लोगों पर शक किया उन लोगों से गहनता से पूछताछ की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

घटना सुबह 9:00 बजे की थी, इसलिए पुलिस को लग रहा था की घटना किसी बाहर के व्यक्ति ने नहीं बल्कि घर के किसी सदस्य ने बडी होशियारी से अंजाम दिया है। घटना के समय घर में केवल वैशाली ही मौजुद थी। उससे भी पुछताछ की गई थी, लेकिन उस समय वैशाली 7 माह के गर्भ से थी, इस वजह से पुलिस उससे कडाई से पुछताछ नही कर पाई।

उसके बाद गठित टीम ने शक के आधार पर वैशाली मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की तो उसने सच कबूल लिया। बताया की यह चोरी उसने व प्रेमी शाहरुख उर्फ फतरु के साथ की है। शाहरुख को डिटेन कर पुलिस ने पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। बताया की वह बेरोजगार है और वैशाली को 10 साल से जानता है, उनमें गहरी दोस्ती है।

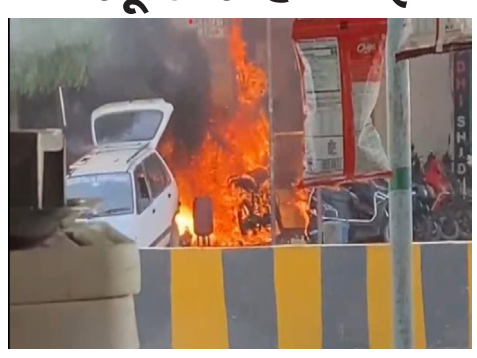
काम धंधा करने के लिए कुछ रुपयों की आवश्यकता होने के बारे में वैशाली को बोला तो वह बोली उसके पास अभी दो लाख रुपये और सास का 25-30 तोला सोना है, जिसे मै चुराकर तुम को दे सकती हूं उसका तुम गोल्ड लोन लेकर कोई काम धंधा चालु कर लेना। वैशाली ने अपने ही घर में चोरी करने की योजना बनाई। घटना से 01 दिन पहले वैशाली की सास किसी काम से कोटा चली गई थी। उसी दिन शाम को वैशाली ने अपने प्रेमी शाहरुख को फोन करके बारां से बुला लिया तथा जेवर व नगदी कपडे की थैली में बांधकर घर के पिछवाडे से शाहरुख को दे दिये।

शाहरुख ने उक्त गहनों को बारां में अपने दो दोस्त सोहेल व शहादत के नाम से 10 लाख रुपये का बजाज गोल्ड लोन बैंक से प्राप्त कर उन पैसों को अय्याशी व दारु पीने में खर्च कर दिये। इन पैसों से दो पुराने फोर व्हीलर भी खरीद लिये जिनकों कुछ दिन चलाकर बेच दिया।

शाहरुख ने पुलिस को यह भी बताया की इस घटना से पहले भी वैशाली ने मुझे 4 सोने की चुड़ियां व उसकी सगाई की अंगुठी भी चुराकर दी थी। हर त्योहार पर वैशाली उसे 20 हजार रुपये खर्चा पानी के लिए देती थी । वैशाली ने भी पुछताछ में बताया की मैने कई बार घर से चोरी करके जेवर व पैसे शाहरुख को दिये थे। घरवाले जब पूछते थे की गहने कहां गये तो गुम होने का बहाना बना देती थी।

समस्त घटना क्रम पर आज चोरी के मामले में दोनों आरोपी शाहरुख व वैशाली को थाना अन्ता पर गिरफ्तार किया गया। दोनों से पुछताछ की जा रही है। अपना बैंक खाता उपयोग के लिए देने वालें सोहेल व शहादत की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। जिनकों शीघ्र गिरफ्तार किया जायेगा। इस कार्रवाई में कांस्टेबल मुकेश सिंह की विशेष भूमिका रही।

कार में गैस भरते समय लगी आग, दर्जनों इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित बाइक-कार जलकर हुई राख



24 न्यूज अपडेट

जिले के तारानगर साहवा रोड पर एक दुकान से कार में गैस भरते समय अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान धूं-धूकर जलने लगी. आग ने दुकान में रखी इलेक्ट्रिक स्कूटरों को भी अपनी चपेट में ले लिया. इतना ही नहीं पास में ही दो-तीन दुकानों को भी आग ने चपेट में ले लिया.

आसपास के दुकानें भी जली : तारानगर थाने के हेड कांस्टेबल सुभाष ने बताया कि कार में गैस भरते समय आग लगी थी. स्थानीय लोगों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किए. बाद में फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक आग ने कार, बाइक, स्कूटी और विद्युत के तारों को चपेट में ले लिया था. दुकान के अंदर व आगे रखा सामान कबाड़ में तब्दील हो चुका था. दुकान के पास में एक पुस्तकों की दुकान को भी आग ने चपेट में ले लिया था. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में सामान और किताबों को दुकान से बाहर निकाला और आग बुझाने में जुट गए. गनीमत रही कि आग पर समय रहते काबू पा लिया गया. घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है.

गर्भवती पत्नी की हत्याः प्रेमिका से शादी के लिए भजन गायक ने पत्नी का गला घोंटा, दोनों गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, अजमेर। अजमेर में एक भजन गायक ने अपनी गर्भवती पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। अपने रिश्ते को पूरी तरह से दबाने के लिए और प्रेमिका से शादी के सपने को पूरा करने के लिए उसने अपनी पत्नी की जान ले ली। हत्या के बाद आरोपी ने अपनी प्रेमिका को कॉल कर बताया कि योजना के अनुसार पत्नी को मार दिया है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने परिवार और समाज को हिला कर रख दिया है। पुलिस ने आरोपी भजन गायक शिवजी (33) और उसकी प्रेमिका रेखा (30) को गिरफ्तार कर लिया है।

गर्भवती शोभा देवी की दर्दनाक हत्या

14 अप्रैल को मांगलियावास थाना क्षेत्र के गांव डोडियाना में एक ऐसी दुखद घटना घटी, जिससे हर किसी का दिल टूट गया। गर्भवती शोभा देवी (24) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो शोभा देवी के मुंह से खून निकल रहा था और जीभ बाहर निकली हुई थी। गले पर गहरे निशान थे, जिससे साफ था कि यह एक जघन्य हत्या है।

परिवार ने उठाया हत्या का शक

शोभा देवी के पिता अमराराम ने पुलिस को 15 अप्रैल को अपनी बेटी की हत्या का शक जताया और यह भी कहा कि दामाद का रेखा नाम की महिला से प्रेम संबंध था। उन्होंने बताया कि यह रिश्ते का कारण ही उनकी बेटी की जान की वजह बना। पुलिस ने घटना स्थल की जांच के बाद पोस्टमॉर्टम करवाई और गहराई से मामले की जांच शुरू की। प्रेमिका से शादी के लिए हत्या की साजिश पुलिस ने आरोपी पति शिवजी और उसकी प्रेमिका रेखा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में शिवजी ने स्वीकार किया कि वह भजन गायक है और 5 साल पहले रेखा से मुलाकात के बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए थे। रेखा ने शिवजी से शादी का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उसके रास्ते में पत्नी शोभा देवी आ रही थी। दोनों ने मिलकर पत्नी को रास्ते से हटाने की साजिश रची और 13 अप्रैल की रात को शिवजी ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। गुमराह करने की कोशिश, लेकिन सच्चाई खुली अहम सवालों के घेरे में आने के बाद शिवजी ने पुलिस को गुमराह करने की कई कोशिशें की। उसने कभी हार्ट अटैक, कभी सुसाइड का बहाना बनाया, लेकिन पुलिस ने जब उसे सख्ती से पकड़ा, तो उसने सच्चाई का खुलासा किया। उसने स्वीकार किया कि यह हत्या उसने अपनी प्रेमिका रेखा से मिलकर की थी।

दिनदहाड़े 30 किलो चांदी लूटकर फरार हुए नकाबपोश बदमाश, सर्राफा व्यवसायी का बेटा घायल



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर जिले के डबोक थाना क्षेत्र स्थित मीठानीम गांव गुरुवार को एक नाटकीय और सनसनीखेज लूट की वारदात का गवाह बना, जब दिनदहाड़े तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक सर्राफा व्यवसायी के बेटे से 30 किलो चांदी लूट ली। यह वारदात उस समय हुई जब युवक अपनी दुकान से घर के लिए चांदी के जेवरात ले जा रहा था। पीड़ित अंशुमान सोनी, जो मीठानीम गांव में स्थित 'चारभुजा ज्वैलर्स' के मालिक शिवकुमार सोनी का बेटा है, रोजाना की तरह शाम करीब 6:30 बजे बाइक से दुकान से घर जा रहा था। उसके पास एक थैला था जिसमें लगभग 30 किलो चांदी के आभूषण रखे हुए थे। तभी एक सुनसान सड़क पर पल्सर बाइक पर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उसे घेर लिया। हमलावरों ने पहले अंशुमान को रोका और फिर उस पर धारदार हथियारों और पत्थरों से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गया। हमलावर उसके हाथ से चांदी से भरा थैला छीनकर मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में अंशुमान को राहगीरों की मदद से परिजन डबोक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे एमबी अस्पताल, उदयपुर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस वारदात के बाद डबोक थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में साफ हुआ है कि यह घटना पहले से सुनियोजित थी। बदमाशों ने न केवल अंशुमान की दिनचर्या की रैकी की थी, बल्कि सही समय और स्थान की भी पहले से पहचान कर ली थी। परिजनों ने इस लूट की साजिश में किसी जानकार के शामिल होने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि अंशुमान लंबे समय से हर दिन दुकान से चांदी घर लेकर जाता था, जिसकी जानकारी किसी अंदरूनी व्यक्ति ने लीक की हो सकती है। पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और जल्द ही बदमाशों की पहचान कर गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है। इस वारदात ने न केवल सर्राफा व्यापारियों में दहशत फैला दी है, बल्कि पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

सोनिया-राहुल पर ईडी की चार्जशीट के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, कहा- लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने का प्रयास



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा चार्जशीट दाखिल किए जाने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को उदयपुर के आयकर कार्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शहर और देहात जिला कांग्रेस कमेटियों की ओर से आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध और लोकतंत्र को कमजोर करने के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और ईडी की कार्रवाई को "तानाशाही मानसिकता का परिचायक" बताया। देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. संजीव राजपुरोहित ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की आवाज़ को दबाने के लिए ईडी का मनमाने तरीके से इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप जनता की आवाज़ को कुचलने का प्रयास है, क्योंकि वे सत्ता से सवाल करने का साहस रखते हैं। देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरूलाल चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल हेराल्ड केस कोई साधारण कानूनी मामला नहीं, बल्कि एक विचारधारा पर हमला है, जो हमेशा से सत्ता के दमन के सामने झुकी नहीं है। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी संविधान की आत्मा की लड़ाई लड़ रहे हैं और सत्ता की हकीकत उजागर कर रहे हैं। यह लड़ाई हर उस नागरिक की है जो लोकतंत्र में विश्वास रखता है।" शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने गांधी परिवार के बलिदान को याद करते हुए कहा कि "देश जवाहरलाल नेहरू की सोच, इंदिरा गांधी की दृढ़ता और राजीव गांधी के बलिदान को नहीं भूला है। आज सोनिया गांधी और राहुल गांधी को झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन देश उनके साथ खड़ा है।" प्रदर्शन में विधायक प्रीति शक्तावत, पूर्व विधायक त्रिलोक पूरविया, पीसीसी उपाध्यक्ष हीरालाल दरांगी, प्रदेश कांग्रेस महासचिव सुरेश श्रीमाली, पंकज शर्मा, जगदीश राज श्रीमाली, सुरेश सुधार, अरुण टांक, रामलाल गायरी, डॉ. संजीव राजपुरोहित, दलपत सिंह चुंडावत समेत अनेक कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने चेताया कि अगर विपक्ष को इसी तरह निशाना बनाया गया तो देशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

मीरा कन्या महाविद्यालय उत्कृष्ट कार्यों के लिए 5 राज्य स्तरीय पुरस्कारों से अलंकृत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अप्रेल। संभाग के सबसे बड़े महाविद्यालय राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज की है। प्राचार्य प्रो दीपक माहेश्वरी ने बताया कि राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय को राष्ट्रीय सेवा योजना में सराहनीय उपलब्धियां के लिए तीन श्रेणियां में पांच राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए चुना गया है। सर्वश्रेष्ठ संस्था, सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी एवं सर्वश्रेष्ठ 3 स्वयं सेविकाओं का राज्य स्तर पुरस्कार हेतु चयन होना महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। महाविद्यालय की तीन स्वयंसेविकाओं सुश्री इंदिरा कुमारी चौहान, ताहिरा फजल अलीवाला एवं हिमांशी सिंह राव को स्वयंसेविका श्रेणी में, डॉ सुनीता आर्य को कार्यक्रम अधिकारी श्रेणी में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए चुना गया। 16 अप्रैल को ओटीएस जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ प्रेम चंद बैरवा, शासन सचिव उच्च शिक्षा भानु प्रकाश एटरू, श्री ओम प्रकाश बैरवा आयुक्त कॉलेज शिक्षा द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। केंद्र एवं राज्य सरकार की राष्ट्रीय सेवा योजना संबंधित गतिविधियों को समय पर आयोजित करने के साथ ही सामाजिक सेवा एवं जागरूकता के अनेक उत्कृष्ट कार्य, नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण ,स्वच्छ भारत अभियान, सड़क सुरक्षा, मतदाता जागरूकता इत्यादि विषयों पर स्वयंसेविकाओं के साथ जन जागरूकता के कार्य किए जाते हैं। साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, वसुधा वंदन, वीरों का वंदन, एक पेड़ मां के नाम, आजादी का अमृत कलश, मेरी माटी मेरा देश, अंगदान महादान, नेत्रदान, व्यक्तित्व विकास सत्र, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, चिकित्सा शिविरों का आयोजन, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, पशु - पक्षी सेवा अभियान, माय भारत पोर्टल संबंधी कार्य, डिजिटल लिटरेसी, युवा संसद, राष्ट्रीय एकता शिविर एवं प्री आरडी कैंप में स्वयंसेविकाओं की भागीदारी इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यों को राष्ट्रीय सेवा योजना में संपन्न किया जाता है।

एक दिवसीय निशुल्क स्त्री रोग चिकित्सा परामर्श एवं पीसीओएस पर व्याख्यान का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक विभाग डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर से सम्बद्ध राजवैद्ध प्रेमशंकर शर्मा राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग के सयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय निशुल्क स्त्री रोग चिकित्सा परामर्श एवं पीसीओएस और मासिक धर्म संबंधी विकार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया I संस्थान निदेशक प्रो. मंजू माण्डोत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया की उक्त कार्यक्रम में अध्यनरत बीसीए, एमसीए , एमएससी, पीजीडीसीए की छात्राए सम्मिलित हुई एवं चिकित्सको द्वारा दी गई स्वास्थ्य समबन्धित जानकारी से लाभान्वित हुई I मुख्य अतिथि डॉ नरेन्द्र कुमार मीना, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभाध्यक्ष ने उपस्थित छात्राओ को पीसीओएस के विभिन्न लक्षणों जैसे स्वाभाव में बदलाव, गर्भधारण में समस्या, थकावट रहना, बालो का झड़ना, अनियमित मासिक धर्म, वजन का बढ़ना, त्वचा सम्बन्धी समस्या, अनचाहे अंगो पर बाल उगना, इन्सुलिन प्रतिरोध इत्यादि के बारे में बताया तथा इनसे बचाव के तरीको से अवगत कराया। पी जी अध्येता डॉ अनीता मायल, डॉ शिवानी जायसवाल तथा डॉ कोमल ने भी उपयोगी जानकारी प्रदान की I उक्त कार्यक्रम में डॉ गुणबाला आमेटा, डॉ मनीष श्रीमाली, डॉ भारत सिंह देवड़ा, डॉ गौरव गर्ग, डॉ प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ भरत सुखवाल, डॉ दिलीप चौधरी, डॉ प्रेरणा भाटी, डॉ प्रीती अग्रवाल, डॉ विनीता श्रीमाली, डॉ रेखा दरबार, डॉ रीना मेनारिया उपस्थित थे I

10 जोड़ों की लग्न लिखाई, 30 को होगा सामूहिक विवाह समारोह



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। श्री विश्वकर्मा मेवाड़ा सुथार समाज विकास संस्थान की ओर से आगामी 30 अप्रैल को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों के तहत आज गायरियावास स्थित कालूराम जी की बाड़ी में लग्न लिखाई समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई, जिसमें कुल 10 जोड़ों की लग्न लिखाई की रस्म विधिपूर्वक संपन्न हुई। समाज के अनेक वरिष्ठजन, पदाधिकारी, महिलाएं और युवा मौजूद रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम में महासभा अध्यक्ष शंकरलाल सुथार, संस्थान संयोजक सुरेश सुथार, अध्यक्ष चमन शेखर सुथार, महिला अध्यक्ष मीनाक्षी सुथार, रामनारायण, नरेंद्र सुथार, जयकांत, मोतीलाल सुथार सहित समाज के सक्रिय कार्यकर्ता व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले इस आयोजन में गरिमा, दिव्या, प्रियंका, कंचन, वीनू सहित समाज की अनेक महिलाओं और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थान की ओर से बताया गया कि सामूहिक विवाह समारोह का मुख्य आयोजन 30 अप्रैल 2025 को किया जाएगा, जिसमें विवाह संस्कार, भोजन व्यवस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सभी रस्में संपन्न कराई जाएंगी।

बढ़ते तापमान के चलते संकर नस्ल के पशुओं को रखें पंखें-कूलर में - डॉ छंगाणी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अप्रेल। उदयपुर के तापमान में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही हैं ऐसे तापमान में संकर नस्ल के पशुओं के लिए कूलर एवं पंखे की व्यवस्था करना निन्तान्त आवश्यक है। यह सुझाव पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने संस्थान में आयोजित संगोष्ठी में दिया। डॉ. छंगाणी ने बढ़ते तापमान में पशुओं की विशेष देखभाल के प्रति पशुपालकों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढते तापमान से पशुओं में एनवायरमेन्ट स्ट्रेस बढ़ता है, इसमें संकर नस्ल के पशु अत्यधिक प्रभावित होते हैं। संकर नस्ल के पशुओं का कम्फर्ट जोन (आरामदायक स्थिति) 15 डिग्री सेल्सियस से 25 डिग्री सेल्सियस तक तापमान होता है। भारतीय परिस्थितियों में यह 30-32 डिग्री सेल्सियस तक में भी इनका उत्पादन बना रहता है। लेकिन 32 डिग्री से. अधिक तापमान होने पर इनका अडोप्शन मैकेनिज्म प्रभावित होने लगता हैं एवं दुग्ध उत्पादन प्रभावित होने लगता है। 37 से 40 डिग्री तक में अडोप्शन मेकेनिज्म पूर्ण रूप से प्रभावित होने लगता हैं। दुग्ध उत्पादन बिल्कुल कम एवं पशु के मृत्यु की संभावना अधिक हो जाती है। अतः ऐसी स्थिति से निपटने के लिए संकर नस्ल के पशुओं के लिये पंखे कूलर की व्यवस्था करनी चाहिये। संस्थान की वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मा मील के अनुसार संकर नस्ल के पशु में प्रतिदिन प्रति पशु 10 प्रतिशत तक दुग्ध उत्पादन में गिरावट आती हैं जबकि देशी पशु में यह गिरावट 3 प्रतिशत तक ही आती है। संस्थान के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओम प्रकाश साहू ने कहा कि इस समय पशुओं में डिहाईड्रेशन की समस्या अधिक रहती है अतः पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराते रहना चाहिए।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।